नए युग में व्यवसाय के माहौल के मूल सिद्धांत बदल रहे, हमें वास्तविकता के अनुकूल होना है

आईआईएम में दो दिवसीय लीडरशिप समिट की शुरुआत

रायपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेमेंट रायपुर में शनिवार से दो दिवसीय लीडरशिप समिट का शुरुआत हुआ। पहले दिन पांच पैनल्य के विभिन्न विशेषज्ञों ने 'न्यू एज, न्यू रियलिटीज विषय पर बेहतर उद्योग के लिए छात्रों से विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ.भारत भास्कर ने कहा, नए युग में व्यवसाय के माहौल के मूल सिद्धांत बदल रहे हैं। लेकिन हमें सिद्धांतों को बदलने के बजाय नई वास्तविकता के अनुकूल होना है।

लीडर्स की महत्वपूर्ण संपत्ति है मल्टी टास्किंग

समिट के मुख्य अतिथि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने समिट में विचारों से सीखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, नैतिक नेतृत्व के विपरीत आने वाले समय में स्थितिजन्य नेतृत्व देखेंगे, जहां उनके पास अतीत और वर्तमान से बाधाओं के बावजूद संगठन को आगे ले जाने की क्षमता होगी। वहीं उन्होंने बताया कि कैसे लीडर्स को हमेशा बाजारों में भविष्य के बदलावों के बारे में पता होना चाहिए, जहां मल्टी-टास्किंग उनकी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति होती है।

संकट में अवसर पैदा करना है

नए प्रबंधकों के लिए मुश्किलें' विषय पर हुई चर्चा में डॉ. सत्यसिबा दास ने संचालन किया। उन्होंने कहा, हमें संकट के समय में अवसर पैदा करने में विश्वास करना चाहिए। ईमानदारी मुख्य मूल्य है, जो एक लीडर के पास होना चाहिए। पाइन लैब्स के चीफ पीपल ऑफिसर अनु मैथ्यू ने बताया कि कोविड के बाद के युग में सभी के लिए एक जैसी सीख काम नहीं करेगी। एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करने के लिए सीखने की प्रक्रिया का आनंद लेना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, आज के युवाओं को रिएक्टिव होने के बजाय प्रोएक्टिव होना चाहिए। प्रोग्राम मैनेजमेंट एंड एजाइल डिलिवरी, वेस्टर्न यूनियन के निदेशक नितिन मित्तल ने कस्टमर सेंट्रिसिटी के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। एएनजेड बैंक के कॉर्पोरेट सेल्स प्रमुख आशुतोष मिश्रा ने महामारी के दौरान कर्मचारी स्वास्थ्य और कल्याण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संगठन के कामकाज को प्रभावी रूप से बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों को जोड़े रखने और उनके साथ अनौपचारिक संवाद सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बात की।

Haribhoomi, 18th Oct. 2020,p. 12.jpg